efforts to help Bihar Government. Relief measures on a very large scale have been taken by the State Government to meet the situation created by the drought. A statement of assistance given by the Government of India to the Bihar Government so far is placed on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-437/67].

विषय :—जापान से कृषि विशेषज्ञों की पेशकश

790. श्री मोहन स्वरूप :
श्री न० कु० सांघी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह आयरवाल :
श्री मणिभाई जे० पटेल :
श्री वी० चं० शर्मा :
श्री बिभूति मिश्र :
श्रीमती तारकेश्वरी सिंहा :
श्री ह०. प० चटर्जी :
श्री वस.जेय कुंसे :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री यशपाल सिंह :
श्री य० अ० प्रसाद :
श्री पार्थसार्थी :
श्री क० ना० तिवारी :
श्री दशरथ राम रेड्डी :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जापान के औद्योगिक, आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विकास संगठन ने जापान के 500 कृषि विशेषज्ञों की सेवाएँ भारत सरकार को समर्पित करने की पेशकश की है जिससे भारत कृषि के मामले में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सके ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिंदे) : (क) तथा (ख). जापान के औद्योगिक, आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विकास संगठन से विशेषज्ञों की कोई निश्चित संख्या की पेशकश प्राप्त नहीं हुई हैं । सहायता संबंधी उनकी साधारण पेशकश पर उनसे कहा गया है कि कृषि उत्पादन की विशेष तथा विस्तृत योजनाएं भेजें ।

इण्डियन एयरलाइन्स कार्पोरेशन का आधुनिकीकरण

791. श्री मोहन स्वरूप :
श्री मणिभाई जे० पटेल :
श्री बेणीशंकर शर्मा :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन एयरलाइन्स कार्पोरेशन को आधुनिक रूप देने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस समय कार्पोरेशन घाटे पर चल रहा है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ; और

(घ) भविष्य में इस घाटे को दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की है ?

पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह): (क) इंडियन एयरलाइन्स कार्पोरेशन अपने विमान-बेड़े तथा कारखानों के आधुनिकीकरण के यथा-संभव प्रयत्न करता रहा है। इस दिशा में सीमित प्रगति का कारण विदेशी मुद्रा की कमी रही है । कार्पोरेशन ने वाइकाउंट विमान 1957 में, फ्रेण्डशिप 1961 में तथा कारवेल 1964 में चालू